और फर्नीचर इत्यादि पर और अपनी औद्योगिक वित्त शाखा खोलने हेतु करोड़ों रुपये खर्च किये हैं ;

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है ;

(ग) क्या किसी अभिकरण ने नई शाखा खोलने हेतु खरीदे गये सामान के मूल्यों का मूल्यांकन किया है ;

(घ) यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं ; और

(ङ) क्या यह सच है कि नई शाखा खोलने हेतु खरीदे गये सामान के काफी ऊंचे मूल्य के बिल प्रस्तुत किये गये हैं, और यदि हां, तो दोषी पाए गए अधिकारियों के विरुद्ध क्या कार्यवाही की गई है ?

वित्त मंत्रालय में राज्य मंत्री (डा० अबरार अहमद) : (क) और (ख) : स्टेट बैंक आफ इंदौर ने सूचित किया है कि उसके क्षेत्रीय कार्यालय, नई दिल्ली के स्थानान्तरण के समय, उसकी सुसज्जा आदि पर 1.40 लाख रुपये का खर्च हुआ था। बैंक की करोल बाग, नई दिल्ली में नयी खोली गयी औद्योगिक वित्त शाखा को सुसज्जित करने के लिए, बैंक की कार्यकारिणी समिति ने 9.88 लाख रुपये की रकम अनुमोदित की थी ।

(ग) और (घ) प्रतिस्पर्धात्मक संविदा दरें आमंत्रित करने के पश्चात्, औद्योगिक वित्त शाखा संबंधी कार्य एक सप्लायर को आबंटित किया गया था और दरें बैंक के चीफ इंजीनियर द्वारा सत्यापित की गयी थी ।

(ङ) यह सच नही है कि औद्योगिक वित्त शाखा को सुसज्जित करने के लिये खरीदी गयी मदों के संबंध में शाखा द्वारा बढ़ी हुई रकम का बिल प्रस्तुत किया गया था ।

ST employees in Income Tax Department

2595. **SHRI MOOLCHAND MEENA:** Will the Minister of FINANCE be pleased to state:

(a) what is the number of Scheduled Tribes employees working in the Income Tax Department and Customs Duty Department, who have been given promotions during the last five years;

(b) whether Government propose to fill up those vacancies of the above Departments which are to be filled up by promotions, through some special drive; and

(c) if so, by when?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF FINANCE (SHRI M. V. CHANDRASHEKHR. MURTHY): (a) Information is being collected and will be laid on the Table of the House.

(b) and (c) Posts reserved for ST employees in the promotion quota are filled up as per instructions issued by Deptt. of Personnel and Training. In case there is lack of ST officials in the feader cadre, posts are dereserved as per Rules. If such vacancies remain unfilled, even after the requisite attempts then such vacancies are treated as 'back-log' vacancies. The process of recriutment to such backlog vacancies for ST employees is likely to be completed under the Special drive by 31-03-1994.